वर्ष :: 35 अंक : 03
पृष्ठ : 08 :: मूल्य :: ₹ 2 मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 20 अक्टूबर 2024
News & E-paper : www.varnanlive.com
E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

अबकी बार किसकी सरकार ?

विजय कुमार झा

बोकारो/रांची : राजनीतिक उठापटक और अस्थिरता के लिए चर्चित 24 वर्ष के युवा झारखंड में एक बार फिर राजनीतिक फेरबदल होने को है। राज्य के लिए चुनावी घोषणा हो चुकी है। विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। 81 विधानसभा सीटों वाले राज्य में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। 13 नवंबर को पहले चरण के लिए 43 सीटों पर वोटिंग होगी, वहीं 20 नवंबर को दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान होंगे। वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी। चुनावी रणभेरी बजने के साथ ही सियासी सरगर्मी, एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप, छींटाकशी और सबसे महत्वपूर्ण पार्टियों की हेराफेरी का दौर फिर शुरू हो चुका है। ओहदा, तथाकथित सम्मान और उनके लिए सबसे काम की चीज टिकट नहीं मिलना नाराजगी का कारण बनकर सामने आ रहा है और नेताजी यह स्वार्थपूर्ति दल-बदल के सहारे करने में लग गए हैं। इधर, भाजपा की अगुवाई वाली एनडीए और कांग्रेस-झामुमो के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की सियासी लड़ाई भी रूस-यूक्रेन युद्ध की तरह जोरदार तरीके से चल रही है। भाजपा इस बार एक तरफ जहां प्रदेश में अपनी सरकार बनने के दावे कर रही है, वहीं झामुमो-कांग्रेस के नेता इस ओवर कॉन्फिडेंस में हैं कि फिर तो उन्हीं की सरकार बनेगी।

इस 'पॉलिटिकल वार' में किसकी सरकार बनेगी, यह तो जनता जनार्दन ही तय करेगी, फिलहाल राजनीतिक सरगर्मी राज्य में अपने शीर्ष की ओर बढ़ चली है। हालांकि, जनता को रिझाने के लिए चुनावी घोषणा से पूर्व दोनों ही तरफ से खूब लोकलुभावन वायदे हुए और योजनाओं की बौछार की गई। जेएमएम की मंईयां के जवाब में भाजपा ने गोगो दीदी को लांच किया, लेकिन गोगो दीदी का जब पलड़ा भारी दिखा तो जेएमएम ने मईंया योजना की राशि बढ़ा दी। कुल मिलाकर चूहे-बिल्ली का खेल चल रहा है, जिसमें जीत किसकी होती है, यह देखना बाकी है।

बिरंची और अमर को मिला टिकट

सीट बंटवारे को लेकर एनडीए ने भी अपने पत्ते खोल दिए हैं। आजसू, जदयू और लोजपा के साथ सीट शेयरिंग की घोषणा की है, जिसके मुताबिक भाजपा 68, आजसू 10, जनता दल यूनाइटेड दो और एक सीट पर लोजपा चुनाव लड़ेगी। खबर लिखे जाने तक भाजपा की पहली कैंडिडेट-लिस्ट जारी की जा चुकी है। प्रदेश अध्यक्ष अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को धनवार सीट, हाल में भाजपा में शामिल हुए पूर्व सीएम चंपई सोरेन को सरायकेला, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी को चंदनकियारी तथा बोकारो के मौजूदा विधायक बिरंची नारायण को पुनः बोकारो से टिकट आवंटित कर दिया है। वहीं, बेरमो से गिरीडीह लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद रवीन्द्र कुमार पांडेय को टिकट दिया गया है। बेरमो में कुछ नवोदित नेता लंबे समय से इस उम्मीद में समाजसेवा में लगे थे कि उन्हें टिकट मिलेगा, लेकिन पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने उनकी उम्मीदवारों पर पानी फेर दिया। उन नेताओं का रोष सोशल मीडिया पर दिख रहा है।

बज गई चुनावी रणभेरी, शुरू हुई फिर हेराफेरी

झारखंड : 24 साल में 13 सीएम ने ली शपथ, 3 बार राष्ट्रपति शासन

झारखंड अलग राज्य-निर्माण के 24 वर्षों के इतिहास को देखें तो यहां 13 मुख्यमंत्री शपथ ले चुके हैं और वर्ष 2009 से लेकर 2013 तक तीन बार राष्ट्रपति शासन लग चुका है। तीन-तीन मुख्यमंत्रियों ने तीन-तीन बार पद एवं गोपनीयता की शपथ ली है।

नाम	कार्यकाल
1. बाबूलाल मरांडी -	15 नवंबर 2000-18 मार्च 2003
2. अर्जुन मुंडा -	18 मार्च 2003- 02 मार्च 2005
3. शिबू सोरेन -	02 मार्च 2005-12 मार्च 2005
4. अर्जुन मुंडा -	12 मार्च 2005-18 सितंबर 2006
5. मधु कोड़ा -	18 सितंबर 2006-27 अगस्त 2008
6. शिबू सोरेन -	27 अगस्त 2008-19 जनवरी 2009
7. शिबू सोरेन -	30 दिसंबर 2009- 01 जून 2010
8. अर्जुन मुंडा-	11 सितंबर 2010-18 जनवरी 2013
9. हेमंत सोरेन -	13 जुलाई 2013-28 दिसंबर 2014
10. रघुवर दास -	28 दिसंबर 2014-29 दिसंबर 2019
11. हेमंत सोरेन-	29 दिसंबर 2019- 02 फरवरी 2024
12. चंपाई सोरेन -	02 फरवरी 2024-04 जुलाई 2024
13. हेमंत सोरेन-	04 जुलाई 2024 - अब तक

राष्ट्रपति शासन कब-कब

19 जनवरी 2009- 30 दिसंबर 2009
01 जून 2010- 11 सितंबर 2010
18 जनवरी 2013-13 जुलाई 2013

दल-बदल का दलदल...
कल के साथी, आज के घाती

राजनीति भी बड़ी अजीब चीज है। जनहित की बात गौण, बस किसी भी तरह राज करने नीति ही आज इसकी शाब्दिक संधि को चरितार्थ करती हुई इसकी परिभाषा बन चुकी है। कल तक जिस दल को अपनी मां के समान कहते थे, उसके झंडे को हाथों में लिए घूमते थे और उसका पट्टा मां के आंचल की तरह ओढ़कर अपना प्रेम दिखाते थे, आज मतलब की खातिर नेताजी सब बदलने से गुरेज नहीं कर रहे। दल-बदल के दलदल में स्नान के बाद उनका गले के पट्टे के रंग-ओ-निशान बदल गए। बातों के सुर भी बदल गए। अर्थात कल तक जिस दल के साथ सियासी दुश्मनी थी, आज उससे दोस्ती हो गई। यानी टिकट के लालच में कल के साथी आज के घाती बन गए।

बहू के हाथ ससुर की प्रतिष्ठा

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं ओडिशा के राज्यपाल रघुवर दास की बहू पूर्णिमा ललित दास को भाजपा ने जमशेदपुर पूर्वी सीट से उम्मीदवार बनाया है। यानी ससुर की हार से आहत बहू अब उनकी प्रतिष्ठा बचाने को मैदान में उतर चुकी हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास 2019 में जमशेदपुर पूर्वी की सीट सरयू राय से हार गये थे। रघुवर दास फिलहाल ओडिशा के राज्यपाल हैं। ऐसे में 2024 के चुनाव में रघुवर दास की विरासत उनकी बहू पूर्णिमा ललित दास सम्भालेंगी। इधर, भाजपा ने शिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन को जामताड़ा तथा रांची की सबसे चर्चित सीट पर सीपी सिंह को फिर से उम्मीदवार बनाया है।

उमाकांत का टूटा सब्र, थामा तीर-धनुष

भाजपा-आजसू गठबंधन धर्म की मर्यादा में लगातार शहीद हो रहे चंदनकियारी के पूर्व विधायक उमाकांत रजक की सब्र का बांध आखिर कब तक बंधा रहता, सो इस बार टूट गया। उमाकांत रजक ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थाम लिया। मुख्यमंत्री एवं झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन ने दोनों को पार्टी के चुनाव चिन्ह वाला पट्टा पहनाकर स्वागत किया। बता दें कि चंदनकियारी में बीजेपी के अमर बाउरी को टिकट मिल जाने के कारण उमाकांत की पीड़ा अब असहनीय हो चली थी। गिरिडीह जिले की जमुआ सीट से भाजपा के विधायक केदार हाजरा ने भी जेएमएम का तीर-धनुष थाम लिया और निशाने पर अपनी ही पुरानी पार्टी को ले लिया। झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामते ही उमाकांत रजक ने कहा है कि उन्होंने गुरुजी शिबू सोरेन के छोटे सिपाही के रूप में काम किया है। हेमंत सोरेन पूरे झारखंड प्रदेश की आवाज बने हैं। मैं झारखंड मुक्ति मोर्चा को मजबूती देने के लिए कंधे से कंधा मिलाकर चलूंगा। इसे कहते हैं, सुर-परिवर्तन। खैर! यह तय माना जा रहा है कि झामुमो इन दोनों को उनकी परंपरागत सीटों से उम्मीदवार बनाएगी। इसके पूर्व जमुआ सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर दूसरे नंबर पर रही मंजू कुमारी और उनके पिता पूर्व विधायक शुकर रविदास ने भी दल-बदल के खेल में भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी और असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने उन्हें पार्टी में शामिल कराते हुए संकेत दिया था कि पार्टी मंजू कुमारी को जमुआ सीट से प्रत्याशी बनाएगी।

जानिए... कब कहां है वोटिंग

पहला चरण : 13 नवंबर - कोडरमा, बरकट्ठा, बरही, बड़कागांव, हजारीबाग, सिमरिया, चतरा, बहरागोड़ा, घाटशिला, पोटका, जुगसलाई, जमशेदपुर पूर्वी, जमशेदपुर पश्चिमी, ईचागढ़, सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, जगन्नाथपुर, मनोहरपुर, चक्रधरपुर, खरसांवा, तमाड़, तोरपा, खूंटी, रांची, हटिया, कांके, मांडर, सिसई, गुमला, विशुनपुर, सिमडेगा, कोलेबिरा, लोहरदगा, मनिका, लातेहार, पांकी, डालटेनगंज, विश्रामपुर, छतरपुर, हुसैनाबाद, गढ़वा, भवनाथपुर।

दूसरा चरण : 20 नवंबर - राजमहल, बोरियो, बरहेट, लिट्टीपाड़ा, पाकुड़, महेशपुर, शिकारीपाड़ा, नाला, जामताड़ा, दुमका, जामा, जरमुंडी, मधुपुर, सारठ, देवघर, पोड़ैयाहाट, गोड्डा, महगामा, रामगढ़, मांडू, धनवार, बगोदर, जमुआ, गांडेय, गिरिडीह, डुमरी, गोमिया, बेरमो, बोकारो, चंदनकियारी, सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया, टुंडी, बाघमारा, सिल्ली व खिजरी।

ऐलान... 70 सीटों पर साथ निभाएगी झामुमो-कांग्रेस

विधानसभा चुनाव को लेकर शनिवार को इंडिया गठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने आवास पर यह घोषणा की है कि झामुमो और कांग्रेस मिलकर 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। बाकी 11 सीट गठबंधन दल के सहयोगियों राजद और माले को दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि झामुमो और कांग्रेस कितनी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सीएम ने सीटों **(शेष पेज- 7 पर)**

– संपादकीय –

बिहार में कब थमेगा मौत का सिलसिला?

बिहार में जहरीली शराब से लगातार हो रही मौत का सिलसिला आखिर कब थमेगा? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की शराबबंदी की जिद आखिर कब खत्म होगी? यह सवाल बिहार की नीतीश सरकार को लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है। क्योंकि, नीतीश कुमार ने 05 अप्रैल, 2016 को बिहार में बिना पूरी तैयारी किये अचानक बिहार में शराबबंदी कानून लागू कर दिया और उसके बाद से अब तक सैकड़ों लोग जहरीली शराब पीकर असमय मौत के शिकार हो चुके हैं। मौत का यह सिलसिला लगातार जारी है। हालिया घटना बिहार के सिवान और छपरा की है, जहां जहरीली शराब से लगभग 60 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। जहरीली शराब से होने वाली मौतों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, इस मुद्दे पर सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। प्रशांत किशोर से लेकर कई नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साध रहे हैं। नीतीश सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। बिहार में जहरीली शराब त्रासदी पर जनसुराज पार्टी के प्रमुख प्रशांत किशोर ने कहा कि 'मैं पहला व्यक्ति हूं, जो सार्वजनिक तौर पर हर मंच से यह बात पिछले 3 साल से कह रहा हूं कि बिहार में शराबबंदी कहीं लागू है ही नहीं। शराबबंदी सिर्फ सरकारी फाइलों में नेताओं के भाषणों में लागू है।' बिहार में जहरीली शराब से मौत पर जीतन राम मांझी ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि 13-14 करोड़ की आबादी वाले बड़े राज्यों में ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। जबकि, केन्द्र की एनडीए सरकार में मंत्री बनने से पहले वही जीतन राम मांझी शराबबंदी कानून को गरीब-विरोधी बताकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरते रहे हैं। मांझी के बेटे और बिहार के मंत्री संतोष सुमन ने राजद के लोगों पर शराब बिकवाने का आरोप लगाया है। उधर, मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों से यह अपील की कि शराब पीना बुरी बात है। यह लोगों को समझना चाहिए। मुख्यमंत्री की यह कहना सही है कि शराब पीना बुरी बात है, लेकिन उनसे यह पूछा जाना चाहिए कि शराबबंदी लागू करने से कुछ ही महीने उन्होंने बिहार के गांव-गांव में शराब के ठेके क्यों खुलवाये थे, क्या उस समय उन्हें यह आत्मज्ञान नहीं था? सच तो यह है कि केवल महिलाओं का वोट हासिल करने की नीयत से नीतीश ने बिहार में शराबबंदी कानून लागू किया था। उन्हें इसका फायदा भी हुआ। लेकिन, बड़ी बात यह है कि शराबबंदी लागू होते ही बिहार में शराब माफिया सक्रिय हो गए। बिहार सरकार को जहां राजस्व मद में सालाना हजारों करोड़ रुपए का नुकसान हुआ, वहीं पुलिस और शराब माफिया की मिलीभगत से अवैध शराब का गोरखधंधा तेज हो गया। कुछ राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता इस खेल के बड़े खिलाड़ी बन गए और शराब के गोरखधंधे से होने वाली काली कमाई से देखते ही देखते वे करोड़ों के मालिक बन गए। गांव-गांव में अवैध शराब बनाने वालों और सप्लायरों की लम्बी फौज खड़ी हो गई। एक फोन पर शराब की होम डिलीवरी होने लगी। यही वजह है कि लगभग डेढ़ साल पहले बिहार के छपरा में 70 से ज्यादा लोगों की मृत्यु हुई थी। बिहार का ऐसा कोई जिला नहीं है, जहां जहरीली शराब से लोगों की मृत्यु नहीं हुई है। कई घटनाओं की तो रिपोर्ट तक नहीं हुई है। लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने अड़ियल रवैये से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। कल तक जब वह राजद के समर्थन से सरकार चला रहे थे तो भाजपा वाले और आज जब भाजपा के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं तो राजद वाले उन्हें इन घटनाओं को लेकर कोसते नजर आते हैं। इसका फायदा केवल भ्रष्ट नेताओं, पुलिस और माफियाओं को हो रहा है। अगर बिहार में जहरीली शराब से होने वाली मौतों का कारण मुख्यमंत्री की संवेदनहीनता कही जाय तो शायद यह गलग नहीं होगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

हल्ला पचपन लाख का

कहानी

– डॉ. सविता मिश्रा मागधी –

न दिनों से बारिश रुकने का नाम न ले रही थी। ग्राउंड फ्लोर पर जगह-जगह फिसलन ने अपना कब्जा जमाना लिया था। मॉर्निंग या ईवनिंगवॉक के लिए बेसमेंट ही एकमात्र सहारा था। ऐसे में वहां भीड़ बढ़ना स्वाभाविक था।

भीड़-भाड़ से दूर भागती थी मैत्री। वह रात नौ बजे नीचे उतरी, शायद कोई न मिले इस आस में, पर आशा के विपरीत लोगों की भीड़ टहल रही थी। थोड़ा आगे बढ़ते ही उसके पांव ठिठक गए। सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए बनाए गए हाते में तुलसी, पुनीता और आशा बैठी गपिया रही थी। न चाहते हुए भी वह उनमें शामिल हो गई।

बहराइच में मूर्ति-विसर्जन के दौरान हुए कांड पर सभी दुखी थीं। बाईस वर्षीय रामगोपाल मिश्र की निर्मम हत्या पर पीड़ा के साथ आक्रोश भी शामिल था। चार महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी। कैसे रहेगी उसकी विधवा? ससुराल वाले अच्छे हुए तो ठीक, वरना ईश्वर ही मालिक। पुनीता बोली, 'कम उम्र है, किसी-न-किसी से ब्याह दी जाएगी।'

'पुनीता तुम ठीक कह रही हो। जाने क्यों, ससुराल वाले बहुत जल्दी बदल जाते हैं। आज नहीं तो कल उसकी शादी हो ही जाएगी। पंद्रह साल पहले की घटना बताती हूं। आशीष की पोस्टिंग कटक में थी। हम लोग वहां बीस वर्ष एक ही मकान में किराए पर रहे। हमारे मकान मालिक का परिवार संयुक्त होते हुए भी एक ही मकान में फ्लैटनुमा बने अलग-अलग घरों में चारों भाई का परिवार रहता था। उनकी पांच बहने थीं। तीसरा भाई प्रमेश आशीष का हमउम्र था, जिससे इनकी बहुत बनती थी। उसकी पत्नी सोनी मिलनसार महिला थी। एक दुर्घटना में वह चल बसा। प्रमेश का बड़ा बेटा टेन्थ में और बेटी सिक्स में थी।' बोलते-बोलते आशा का स्वर भीग गया।

'ओह! बहुत दुखद। पर, बड़ी फैमली की वजह से वह संभल गई होगी। बड़ी फैमली के यही तो फायदे हैं, दुख-तकलीफ में सब एक हो जाते हैं।' आशा की आंखों में झांकते हुए तुलसी बोली।

'यही तो गलतफहमी है। जो दिखाई देता है, वह वास्तविकता से बहुत दूर। भाई की असमय मौत की खबर सुन, सभी बहनें दौड़ी आईं। वे पछाड़ खा-खाकर गिर रही थीं। मेरा भ्रम उन बहनों ने ऐसा तोड़ा कि आज भी सोचती हूं तो उनके प्रति मन घृणा से भर जाता है।'

'ऐसा क्या किया, उन बहनों ने?' पुनीता और तुलसी दोनों एक साथ बोल पड़ी। मैत्री कुछ न बोली। शांत मन से उनके हावभाव देखती रही।

'श्राद्धकर्म चल ही रहा, प्रमेश की बहनें हर आने-जाने वालों से सोनी पर अपनत्व दिखाते हुए हर बात के लिए उसपर दोष मढ़तीं। ऐसी-ऐसी लांछना लगाई गई कि अभी भी याद कर मेरी रूह कांप उठती है। हम और पास-पड़ोस वाले जानते थे कि सोनी कैसी है। उन दोस्तों, रिश्तेदारों की सोचो, जो किसी मौके-बेमौके ही उनके घर आते-जाते थे, वे लोग तो सोनी के बारे में गलत ही सोचकर गए होंगे।'

'सही बात है। हम लोग ही नेहरु जी को कैसे महान मानते थे कि जेल में बैठकर डिस्कवरी ऑफ इंडिया लिखे, गांधी जी चरखा चलाते थे। दामोदर सावरकर को पढ़कर पता चला कि ये लोग कितने तिकड़मबाज और स्वार्थी थे। जेल दुनिया को दिखाने और जनता की सहानुभूति बटोरने के लिए था।' तुलसी बोली।

आशा ने बात आगे बढ़ाई, 'एक ननद थोड़ी दूर पर रहती थी। हर सैटरडे-संडे, तीज-त्योहार बाल-बच्चों के साथ सोनी के पास आ धमकती। जब प्रमेश थे, तब कहती, 'मेरे बच्चे मामी के बिना नहीं रह पाते।' प्रमेश के जाने के बाद कहती, 'बहू को कैसे अकेले छोड़ दूं। काम के नाम पर एक गिलास पानी भी नहीं उठाती थी। बेचारी सोनी के लिए न संडे था न सैटरडे। देवरानी-जेठानी भी उसकी सूरत-सीरत से जलन पालती थीं। देखते-देखते सारी संपत्ति पर कुंडली मार, सभी उसके विपरीत हो गए। किसी की संपत्ति हड़पकर बैठना हो तो उसके हर काम में मीनमेख निकालो, हीन भावना से ग्रसित हो वह स्वयं सभी से दूरी बना लेगी। वही हाल सोनी का था।

'मैं चलती हूँ।' कहते हुए मैत्री उठ खड़ी हुई। मन कसैला हो गया था। बहुत-कुछ अपनी पिछली जिंदगी से तर-बतर हो रही थी। घर आ बेटे का उदास चेहरा देख, पूछ बैठी, 'क्या हुआ?'

'मम्मी, तुम्हारे बोनमैरोट्रांसप्लांट में किसी ने एक रुपया भी नहीं दिया और हल्ला पचपन लाख का मचाया जा रहा है।'

'किसने अफवाह फैलाई?'

'चाचा-बुआ लोगों को छोड़कर और कौन अफवाह फैलाएगा।'

'बेटा, क्रोध न पालो। ईश्वर की लाठी में देर भले है, पर पड़ती जरूर है।'

(लेखिका वरिष्ठ साहित्यकार व समीक्षक हैं।)

बेचारा बने फूफा जी

– डॉ. अशोक कुमार, पटना

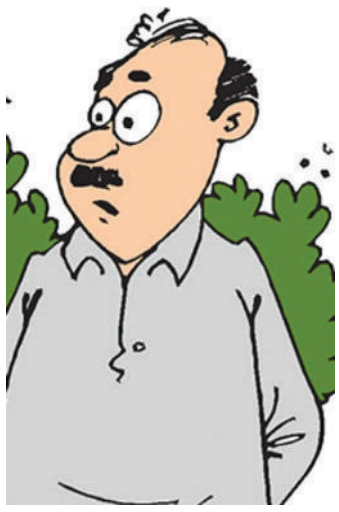

मोबाईल की ताकत ने जब सभी रिश्तों को रिसने को मजबूर कर दिया है तो ई फूफा साहब किस खेत की मूली ठहरे, जिनके कदमों में फूल बिछाए जाए? जमाना वो बीत गए जब शादी-ब्याह की बात से लेकर बाराती की विदाई तक फूफा जी की धोती आसमान में सूखा करते थे या उनके पायजामे धरती पर लोटपोट हुआ करते थे। शादी-विवाह में मजाल कि फूफा की सलाह या उनके आर्डर के बिना कोई काज-परोज संपन्न हो सके। भंडार घर से लेकर खरीदारी, शामियाना से लेकर हर व्यवस्था के वे गार्जियन हुआ करते थे। उनके रौब के सामने सभी की घिग्घी बंध जाती थी। सच मानिए, वे अपने नाज नखरे में भी सिद्ध माने जाते थे। कभी सुना था कि जहानाबाद के केदार बाबू जो फूफा की भूमिका में थे और ससुरारी बारात में जाने से जब रूठ गए तो पूरे समारोह में कोहराम मच गया था। नतीजा यहां तक पहुंच गया कि फूफा जी के बिना बारात प्रस्थान कर गई और शादी के रस्म-ओ-रिवाज की पूर्ति के लिए एक भाड़े पर नकली फूफा जी को लाना पड़ा था।

हाल में एक सूचना मिली कि शादी के रस्म के लिए एक फूफा जी को पूछा तक नहीं गया तो फूफा साहब का दिमाग आसमान पर चढ़ गया। हद तो तब हो गई जब शादी के बाद वर-वधू समारोह में फूफा जी को मोबाईल पर सिर्फ निमंत्रण कार्ड भेजा गया। फूफा जी का पारा इतना चढ़ गया कि उन्होंने अपने करीबियों पर अपना गुस्सा आपे से बाहर निकाल दिया। तब जाकर फूफा जी को उनके साले साहब ने सिर्फ फोन पर दबी जुबान से निमंत्रण दिया। चूंकि, फूफा जी समय की नजाकत को गौर से समझ गए तो उन्होंने अपनी इज्जत हाथ में रखते हुए रूखे मन से ही सही, समारोह में शामिल होने का भरोसा दे दिया।

अब सवाल उठता है कि ई फूफा जी आखिर किस प्रजाति के प्राणी हैं जो समय के बदलाव को नहीं समझ पाते हैं। हालांकि, ऐसे फूफा मानुष अब समय के परिवर्तन के नब्ज को समझने लगे हैं, लेकिन जरूरत इस बात की भी है कि पुरानी परम्परा को थोड़ा ढोना भी चाहिए, क्योंकि बीते कल को जो भुला देंगे,उन्हें आने वाला कल निश्चित रूप में भुला बैठेगा। हां,जो फूफा अपनी इज्जत बचा कर चल रहे हैं उनकी पूछ हो भी रही है और वे यथाशक्ति सम्मान पा भी रहे हैं। जय फूफा,जय बिहार।

(लेखक बिहार के वरीय अधिकारी एवं बीपीएससी के पूर्व सदस्य हैं।)

बोकारो जिले की सभी चार विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को होंगे मतदान

प्रशासन निर्भीक और निष्पक्ष चुनाव कराने को तैयार : डीसी विजया जाधव

संवाददाता

बोकारो : भारत निर्वाचन आयोग ने विधानसभा आम चुनाव 2024 की घोषणा कर दी है। इसके अनुसार 34 गोमिया, 35 बेरमो, 36 बोकारो एवं 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र के लिए दूसरे चरण में 20 नवंबर को मतदान होना है। चुनाव की अधिसूचना 22 अक्टूबर, नाम निर्देशन की अंतिम तिथि 29 अक्टूबर, नाम निर्देशन प्रपत्रों की स्क्रूटनी 30 अक्टूबर, अभ्यर्थिता वापस लेने की तिथि 01 नवंबर, मतदान की तिथि 20 नवंबर एवं मतगणना की तिथि 23 नवंबर निर्धारित की गई है। उक्त बातें जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- उपायुक्त विजया जाधव ने यहां पत्रकारों से कहीं।

100 मिनट के अन्दर शिकायतों का समाधान

उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव से संबंधित शिकायत अथवा जानकारी प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नं.- डायल 1950 सेवा शुरू की गई है, जो सुबह 9.00 बजे से रात्रि 9.00 बजे तक कार्यरत रहेगी। निर्वाचन के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सी-विजिल एप बनाया गया है, जिसके द्वारा प्राप्त शिकायतों का समाधान 100 मिनट के अंदर किया जाएगा।

'शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाना जरूरी'

जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त ने कहा कि शहरी क्षेत्रों के मतदाता चुनाव के दिन घरों से बाहर आयें, लोकतंत्र को समृद्ध बनाने में अपना दायित्व निभाएं, यह बहुत जरूरी है। क्योंकि, हाल ही में सम्पन्न हुए लोकसभा चुनाव में जिले में चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र में सर्वाधिक 72 प्रतिशत मतदान हुए, जबकि बोकारो विधानसभा के बोकारो शहरी, चास नगर निगम क्षेत्र में मतदान प्रतिशत संतोषजनक नहीं रहा। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन से इसे लेकर बात की जाएगी और उनके कर्मचारी मतदान में अच्छी भागीदारी निभाएं, इसका प्रयास किया जाएगा। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरिजा शंकर प्रसाद, सामग्री कोषांग की नोडल पदाधिकारी मेनका, निवार्ची पदाधिकारी गोमिया सह- अपर समाहर्ता मुमताज अंसारी, निवार्ची पदाधिकारी बोकारो सह- एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, निवार्ची पदाधिकारी सह- डीसीएलआर चंदनकियारी प्रभाष दत्ता, निवार्ची पदाधिकारी बेरमो सह- एसडीओ बेरमो मुकेश मछुआ, ईवीएम कोषांग के नोडल पदाधिकारी मनोज कुमार, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, सहयोगी पदाधिकारी मीडिया कोषांग सह- सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सहयोगी पदाधिकारी पंकज दूबे आदि उपस्थित थे।

14,87,103 मतदाता देंगे वोट

श्रीमती जाधव ने बताया कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल मतदाताओं की संख्या 14,87,103 है। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 76,50,24 एवं महिला मतदाताओं की संख्या 72,20,46 है। वहीं, ट्रांसजेंडर मतदाताओं की संख्या 33 है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त 2024 से अब तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में कुल 15,904 नये मतदाताओं को जोड़ा गया है। लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत दिव्यांग मतदाता 18,731 एवं 85 प्लस मतदाताओं की संख्या 4,700 है।

828 भवनों में 1581 बूथ

उपायुक्त सह- जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले के सभी 04 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 828 भवनों में कुल मतदान केंद्र 1581 बनाये गए हैं। इनमें 34 गोमिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 206 भवनों में 341 मतदान केंद्र, 35 बेरमो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 213 भवनों में 355 मतदान केंद्र, 36 बोकारो विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 204 भवनों में 588 मतदान केंद्र तथा 37 चंदनकियारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 205 भवनों में 297 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। जबकि, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह-उपायुक्त ने विभिन्न कोषांगों द्वारा अब तक किए गए कार्यों की प्रगति की जानकारी देते हुए कहा कि कृषि उत्पादन बाजार समिति, आईटीआई मोड़, चास को वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र बनाया गया है।

बैठकों और जागरुकतापरक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू

चुनाव के सफल संचालन तथा अधिकाधिक मतदाताओं की भागीदारी को लेकर जिला प्रशासन की ओर से जागरुकतापरक कार्यक्रमों का सिलसिला भी तेज कर दिया गया है। डीसी सह जिला निवार्ची पदाधिकारी विजया जाधव के निर्देशन में अधिकारी जिलाभर में सफल निर्वाचन को लेकर बैठकें कर रहे हैं। बीएलओ से लेकर पी-1, पी- 2 स्तर के मतदानकर्मियों का प्रशिक्षण हाल के दिनों में किया गया। इसके अलावा, वोटरों को जागरूक करने के लिए बाइक रैली सहित अन्य कार्यक्रमों का भी सहारा लिया जा रहा है।

स्वास्थ्य-सुविधा इस्पातनगरी में खुला झारखंड का सबसे बड़ा निजी अस्पताल

न्यूक्लियर मेडिसिन से बोकारो में होगा कैंसर का इलाज

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो की स्वास्थ्य सेवाओं में एक क्रांतिकारी आयाम जुड़ गया है। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी का इलाज अब लोग अपने शहर में ही करा सकेंगे। लोहांचल के समीप खुले इस अस्पताल में कैंसर के इलाज के लिए न्यूक्लियर मेडिसिन का उपयोग होगा, जो कैंसर को मारेगा और मरीज को बचाएगा। मेडिकेंट हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर के चेयरमैन सह-प्रबंध निदेशक डॉ. मजीद अहमद तालीकोटी ने बताया कि मेडिकेंट अस्पताल झारखंड का सबसे बड़ा निजी अस्पताल है, जो 600 बिस्तर के साथ अत्याधुनिक तकनीक और विश्वस्तरीय सुविधाओं से सुसज्जित है। यहां सुपर स्पेशियलिटी विभागों की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, जो मरीजों को उच्चतम गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि इस आधुनिक अस्पताल ने नवीनतम तकनीक, उन्नत उपकरण और विश्वस्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ अपनी सेवाओं का विस्तार किया है। यहां के डॉक्टरों की टीम देश के विभिन्न

हिस्सों से आयी है, जिनमें अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ शामिल हैं। सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं में न्यूरो सर्जरी, यूरोलॉजी, मेडिसिन सामान्य एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, आथोर्पेडिक और जॉइंट रिप्लेसमेंट, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, गायनेकोलॉजी, नॉन-इनवेसिव कार्डियोलॉजी, शिशु रोग विशेषज्ञ, नेफ्रोलॉजी और कई अन्य प्रमुख विभाग शामिल हैं। न्यूक्लियर मेडिसिन से कैंसर के इलाज में कोई कोई साइड इफेक्ट नहीं होगा।

डॉ. मजीद ने कहा कि इस नए अस्पताल में देश-विदेश के बड़े डॉक्टर 24 घंटे सेवा देंगे। यह पूर्वी भारत का सबसे बेहतर अस्पताल होगा। अस्पताल सिर्फ पैसा कमाने के लिए नहीं होना चाहिए। इसलिए यहां से 10 किमी दूरी तक कहीं भी एक्सीडेंटल सेवा के लिए एंबुलेंस सेवा फ्री दी जाएगी। भविष्य में गरीबों के इलाज में भी रियायत देने की योजना है।

उन्होंने कहा कि मरीज के इलाज के लिए घर जैसा माहौल जरूरी है, इसलिए इस अस्पताल में आने वाले मरीजों को घर जैसा एहसास होगा। यह अस्पताल सेवाओं में 50% तक छूट भी देगा। आने वाले समय में पूरे देश में यह अस्पताल लैंड मार्क होगा। मरीजों की देखभाल के हर पहलू को ध्यान में रखते हुए अस्पताल ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों को अपनाया है।

अस्पताल के सीएमडी ने कहा कि मेडिकेंट अस्पताल झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है और आने वाले दिनों में मरीजों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने के अपने मिशन पर दृढ़ है। इसके साथ ही मेडिकेंट अस्पताल प्रबंधन अस्पताल सेवाओं पर 50% तक की छूट प्रदान कर रहा है। पत्रकार सम्मेलन को डॉ. मजीद अहमद तालीकोटी के अलावा डॉ. अभिनव सूरी, डॉ. बिभोर शर्मा आदि ने भी संबोधित किया।

मनोज के हाथों पुलिस की कमान

नए एसपी ने चुनाव को ले कसी कमर, दिए दिशा-निर्देश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले के 40वें पुलिस कप्तान के रूप में वर्ष 2018 बैच के आईपीएस अधिकारी मनोज सवर्गियारी ने कमान संभाल ली है। वह इसके पूर्व धनबाद के रेल पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित थे। बोकारो के निवर्तमान एसपी पूज्य प्रकाश को पुलिस मुख्यालय, रांची में योगदान देने का आदेश जारी हुआ है। वह पिछले कई दिनों से बीमारी के कारण लंबी छुट्टी पर थे।

असम के रहनेवाले मनोज ने पदभार संभालने के साथ ही आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी कस ली और अगले ही दिन जिले के तमाम पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक रणनीति तैयार की। सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों, पुलिस उपाधीक्षकों, अंचल पुलिस निरीक्षकों, थाना प्रभारियों और ओपी प्रभारियों के साथ बैठक कर एक-एक कर सभी से परिचय लिया गया। तदोपरांत आगामी विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के मद्देनजर चुनाव के शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं स्वच्छ वातावरण में संपन्न कराने से संबंधित विचार-विमर्श किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में चुनाव संबंधी दैनिक विधि-व्यवस्था पर चर्चा हुई एवं दैनिक प्रतिवेदन को उच्च प्राथमिकता के साथ सुबह 05.00 बजे तक चुनाव कोषांग को उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया। एसपी ने सभी थाना प्रभारियों को लंबित जमानतीय तथा गैर-जमानतीय वारंट, इश्तेहार एवं कुर्की का त्वरित निष्पादन करने, फरार एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, जिलान्तर्गत शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों का सत्यापन व शस्त्रों का ससमय जमा करना सुनिश्चित करने, चुनाव कार्य को बाधित करने के संदिग्ध लोगों के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई, सक्रिय अपराधियों के विरुद्ध सीसीए प्रस्ताव भेजने, शांति भंग करने वाले व्यक्तियों का पहचान कर गुण्डा पंजी में नाम प्रविष्टि करने, संपत्ति मूलक कांडों में संलिप्त अभियुक्तों का निगरानी प्रस्ताव भेजने, दागियों का भौतिक सत्यापन कर निरोधात्मक कार्रवाई करने तथा चेकनाकों पर खास मुस्तैदी रखने सहित अन्य कई निर्देश दिए।

सावधान ! सफाई के बहाने 'साफ' हो रहे लोगों के जेवर

संवाददाता

बोकारो : बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में इन दिनों जेवर की सफाई के बहाने लोगों को ठगने का गिरोह काफी सक्रिय हो चुका है। ठग गिरोह के सदस्य शहर के विभिन्न सेक्टरों व मुहल्लों में घूम-घूमकर गहना, बर्तन व अन्य सामान की सफाई व चमकाने के नाम पर ठगी कर रहे हैं। महिलाएं सबसे ज्यादा ठगी का शिकार हो रही हैं। महिलाओं के गले व कान में पहने गहने उतरवाकर उनकी सफाई करने का झांसा देकर ठग उन्हें चमकाने की बात कहकर अपने झांसे में ले लेते हैं और मौका देखते ही उनके जेवर लेकर रफ्फू-चक्कर हो जाते हैं। इसके बाद भुक्तभोगी के पास सिवाय हाथ मलने के कुछ भी नहीं रह जाता। हाल के दिनों में तीन-चार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। इस कारण अकेली रहने वाली महिलाओं में भय का माहौल है। अब तक ठग गिरोह का एक भी अपराधी पकड़ा नहीं गया है। बताया जाता है कि अपराधी बढ़िया कपड़े पहनकर, कंधे में बैग लटकाकर बाइक से पहुंचते हैं। ठगों को बढ़िया कपड़े पहने देखकर महिलाएं उनके झांसे में आ जाती हैं और ठगी का शिकार होती हैं।

बीते 17 अक्टूबर को बालीडीह थाना क्षेत्र के पांडे टोला के सिंह निवास में बाइक सवार दो बदमाश गहना-बर्तन साफ करने का हवाला देकर पहुंचे। गृहस्वामी राजेश सिंह बाजार गए हुए थे। उनकी 80 वर्षीय बुजुर्ग माता घर में अकेली थी। दोनों बदमाश उन्हें झांसे में लेकर गले से 2 लाख के सोने की चेन और कान के टॉप्स खुलवाकर साफ करने लगे। इसी दौरान ठगों ने उन्हें एक पुड़िया में उनके जेवर की जगह पत्थर रखकर दे दिया और पानी लाने को कहा। बुजुर्ग पानी लाने कमरे में गई कि अपराधी पीछे से जेवर लेकर भाग गए। उसी दिन चीराचास थाना क्षेत्र स्थित केके सिंह कॉलोनी में गृहस्वामी मुकेश रंजन ड्यूटी गए थे। इसी बीच दो बदमाश घर में सफाई के नाम पर घुस गए और फर्श साफ करने का झांसा देकर महिला के गले से सोने की चेन भी खुलवाकर साफ करने लगे। जबतक महिला दूसरे कमरे से जाकर वापस लौटी, तब तक दोनों बदमाश लगभग डेढ़ लाख का सोने की चेन लेकर भाग गए।

इसके पूर्व, 2 अक्टूबर को सेक्टर-2डी में शांति लता साहु के घर भी बर्तन व गहना सफाई की बात से अकेली महिला को झांसा में लेकर उनके गहने लेकर फरार हो गए। उनके पति बाहर गए हुए थे, अकेली महिला से एक लाख रुपए की एक सोने की चेन व अंगूठी की सफाई करने के लिए ली। कुछ देर बाद पीने के लिए पानी मांगा और जबतक महिला पानी लेकर आती, उचक्के जेवरात लेकर फरार हो गए। इसके पहले सेक्टर-2सी में डी. पांडेय के घर पर गहना सफाई के लिए तीन जालसाज पहुंचे थे, समय रहते गृहस्वामी पहुंच गए और वे ठगी का शिकार होने से बच गए। संदेह होने पर उचक्कों को थाने ले जाया गया, जहां से चेतावनी देकर बदमाशों को छोड़ दिया गया।

मिथिला सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष सहित पूरी कार्यकारिणी का इस्तीफा

बोकारो : बोकारो में मिथिला भाषा-भाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद की विगत 13 अक्टूबर को हुई आमसभा में नए सिरे से कार्यकारिणी गठित करने का प्रस्ताव पारित होने के लगभग एक हफ्ते के बाद 19 अक्टूबर को परिषद की पूर्व की कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपना इस्तीफा दे दिया। उनके त्यागपत्र को परिषद के महासचिव नीरज चौधरी ने स्वीकार भी कर लिया। श्री चौधरी के अनुसार, अध्यक्ष पद से अनिल कुमार, उपाध्यक्ष पद से समरेंद्र झा एवं अविनाश कुमार झा, संयुक्त सचिव से प्रदीप कुमार झा, संयुक्त कार्यक्रम निदेशक के पद से प्रदीप कुमार, उप वित्त सचिव के पद से मनोज कुमार झा, संगठन सचिव से बहुरन झा तथा योजना सचिव पद से शिवेश पाठक ने अपने त्यागपत्र दिए। उनके साथ-साथ कार्यकारिणी सदस्य अनिल कुमार झा, सुधांशु शेखर झा, आनंद राजहंस, गोपालजी झा, विजय कुमार ठाकुर, विजय कुमार सिंह, आरएन मिश्रा तथा गणेश झा ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। महासचिव श्री चौधरी ने तत्काल प्रभाव से सभी के इस्तीफे मंजूर कर लिए। उन्होंने बताया कि आसन्न विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता को देखते हुए 20 अक्टूबर, 2024 (रविवार) को आहूत आमसभा फिलहाल स्थगित कर दी गई है। चुनाव के बाद आमसभा की अगली बैठक आयोजित की जाएगी। इसके अलावा, ऑनलाइन मोड पर भी बैठक पर विचार किया जाएगा, जिसमें विगत 13 अक्टूबर की आमसभा में पारित प्रस्तावों के आलोक में नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी तथा अन्य आवश्यक बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

सरोकार सतर्कता जागरूकता अभियान के तहत विविध कार्यक्रम, बच्चों को भी कर रहे प्रेरित

नैतिक मूल्यों को ले जागरुकता की मुहिम चला रहा बीएसएल

संवाददाता

बोकारो : सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान -2024 के तहत बोकारो इस्पात प्रबंधन की ओर से लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बीएसएल के कर्मचारियों से लेकर स्कूली बच्चों तक में नैतिक मूल्यों, अखंडता व सतर्कता संबंधी अन्य विषयों को लेकर जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। हाल के दिनों में सीएसआर विभाग के सौजन्य से महिला समिति द्वारा संचालित स्कूल बाल मंदिर, को-ऑपरेटिव कॉलोनी के कुल 127 छात्रों के लिए छात्रों के लिए राष्ट्र की समृद्धि के लिए अखंडता की संस्कृति विषय पर एक ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं एसीवीओ ज्ञानेश झा मौजूद थे। स्कूली छात्रों के बीच आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को उनकी प्रारंभिक शिक्षा में नैतिक मूल्यों और अखंडता को विकसित करने के लिए जागरूकता फैलाना था।

बीएसएल के मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व्यक्ति की सत्यनिष्ठा और विचारशील नैतिक तर्क करने की क्षमता को कमजोर करती है विषय पर अंग्रेजी और हिंदी भाषा में अंतर विद्यालय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन एवं अतिरिक्त प्रभार संकार्य) राजन प्रसाद थे। कार्यक्रम में कुल 12 विद्यालय के 48 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाद-विवाद प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में वी.के. सिंह भूतपूर्व मुख्य महाप्रबंधक (एल एंड ए), मणिकांत धान, महाप्रबंधक (जन संपर्क) एवं प्रमुख संचार तथा महिला समिति से ऋचा प्रियदर्शनी (लेखिका एवं सचिव महिला समिति) उपस्थित थीं।

इधर, बीएसएल के अधिकारियों के लिए क्षमता- निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन भी लगातार किया जा रहा है। ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में आयोजित प्रशिक्षण में अधिकारियों के बीच संगठन की प्रणाली एवं प्रक्रिया, आचार एवं नीति, शासन, आचरण नियम, साइबर सुरक्षा, क्रय इत्यादि के विषय पर जागरूकता का प्रसार किया गया।

हफ्ते की हलचल

कोजागरा उत्सव सोल्लास मनाया गया

बोकारो : मैथिलीभाषियों की प्रतिष्ठित संस्था मिथिला सांस्कृतिक परिषद् की ओर से मिथिलांचल का पारंपरिक 'कोजागरा उत्सव' सोल्लास मनाया गया। परिषद् की ओर से संचालित सेक्टर-4ई स्थित मिथिला एकेडमी पब्लिक स्कूल के सभागार में आयोजित इस उत्सव का उद्घाटन मिथिला सांस्कृतिक परिषद् के महासचिव नीरज चौधरी, पूर्व महासचिव सतीशचंद्र झा, वर्तमान वित्त सचिव मिहिर मोहन ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी अरुण पाठक ने महाकवि विद्यापति की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन कर किया। कोजागरा में लक्ष्मी-पूजा का विधान है और रात्रि जागरण की प्रधानता है। विशेष रूप से नव विवाहित युवकों के यहां कोजागरा उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। आगंतुकों के बीच पान, मखान और मिष्टान्न का वितरण किया गया। साथ ही, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें अरुण पाठक, उदीयमान गायिका आंचल पाठक, शेफाली दूबे, उमेश कुमार झा, विश्वनाथ गोस्वामी आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।

आईओक्यूएम- डीपीएस बोकारो का श्लोक बना स्टेट टॉपर

बोकारो : अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता की कड़ी में डीपीएस (दिल्ली पब्लिक स्कूल) बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर कामयाबी का परचम लहराया है। राष्ट्रीय स्तर की लब्धा-प्रतिष्ठित गणितीय परीक्षा इंडियन ओलंपियाड क्वालीफायर इन मैथेमेटिक्स (आईओक्यूएम) में लगातार दूसरे वर्ष विद्यालय का पूरे राज्य में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। परीक्षा की कैटेगरी ए (कक्षा 8-11) में नौवीं कक्षा के विद्यार्थी श्लोक आनंद ने झारखंड में सर्वाधिक 59 अंक हासिल कर स्टेट टॉपर होने का गौरव पाया है। वहीं, कैटेगरी बी (कक्षा- 12) में आरुष बनर्जी ने 54 अंक प्राप्त कर सूबे में दूसरा स्थान प्राप्त किया और जिले में अव्वल रहा। विद्यालय के कुल 15 छात्र-छात्राओं ने इस परीक्षा में शानदार सफलता पाई है। लगातार दूसरे वर्ष अपने विद्यालय के छात्र-छात्राओं के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर प्राचार्य डॉ. ए एस गंगवार ने प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने इस उपलब्धि को पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय बताया।

डॉ. नर नारायण के अकस्मात निधन पर दी श्रद्धांजलि

बोकारो : अखिल भारतीय साहित्य परिषद बोकारो की ओर से संघ कार्यालय सेक्टर-2ए के सभागार में दिवंगत डॉ. नर नारायण तिवारी के अकस्मात निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। डॉ. आशा पुष्प ने अध्यक्षता करते हुए कहा कि स्व. तिवारी सभी को साथ लेकर चलने वाले अत्यंत धैर्यवान व्यक्तित्व थे। उन्हें गीता और रामचरितमानस कंठस्थ थे। परिषद के महासचिव बीएन गोस्वामी विकलराही ने कविता के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। सभी साहित्यकारों ने उनके आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन लव कुमार ने किया। मौके पर शिवकुमार सिंह, डीएन सिंह, गीता कुमारी गुस्ताख, अमृता, डॉ. आरएन शर्मा, डॉ. परमेश्वर भारती, बीएन गोस्वामी, गगेश पाठक आदि मौजूद रहे।

डीवीसी सीएसआर के प्रशिक्षणार्थियों को मिले प्रमाणपत्र

बोकारो थर्मल : डीवीसी सीएसआर कार्यालय परिसर में विभाग द्वारा महिलाओं एवं युवतियों के लिए संचालित सिलाई एवं कंप्यूटर का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली सभी 42 प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि डीवीसी के एचओपी की पत्नी रिंकी प्रसाद, विशिष्ट अतिथि सीएसआर के डीजीएम बीजी होलकर, उनकी पत्नी स्वाती होलकर ने सभी के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया। मौके पर रिंकी प्रसाद एवं स्वाती होलकर ने कहा कि डीवीसी सीएसआर की ओर से स्थानीय महिलाओं एवं युवतियों को निःशुल्क प्रशिक्षण देकर उन्हें आजीविका के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत प्रयत्नशील है। संचालन डीजीएम ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सीएसआर के भैरव महतो, जीवाधन महतो, रमेश यादव, अर्जुन यादव, मेहीलाल मुर्मू, ओम प्रकाश यादव, सुष्मिता बर्णवाल आदि का विशेष योगदान रहा।

बिहार के आईएएस समेत कई अफसरों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस, मचा हड़कंप

शशांक शेखर

मामला मुंशी प्रेमचंद के अखबार के दफ्तर को ध्वस्त करने का

दिल्ली/पटना: पटना के प्रमुख व्यावसायिक इलाके में मुंशी प्रेमचंद के अखबार 'चाणक्य' के दफ्तर और भवन को हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन कर ध्वस्त किए जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। देश की सर्वोच्च अदालत ने इस संबंध में पटना नगर निगम के आयुक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अनिमेष पराशर सहित अन्य वरीय अफसरों को नोटिस जारी किया है। सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और ए. अमानुल्ला शामिल हैं, ने श्री पराशर सहित वैसे अधिकारियों को नोटिस जारी किया है, जो याचिकाकर्ता शैलजा वाजपेयी के स्वामित्व वाले 'चाणक्य' प्रेस भवन को कथित तौर पर अवैध रूप से ध्वस्त करने के लिए जिम्मेदार हैं। उच्च न्यायालय द्वारा जारी स्थगन आदेश के बावजूद भवन को तोड़ने को लेकर यह नोटिस दिया गया है। पटना उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश दिया गया था, जहां मुख्य न्यायाधीश के. विनोद चंद्रन की अदालत में सुनवाई में हुई थी। इस मामले की अंतिम सुनवाई का निर्णय 11 अगस्त 2023 को सुरक्षित रखा गया था, लेकिन पीएमसी (पटना नगर निगम) के शीर्ष अधिकारियों ने अगले ही दिन 12 अगस्त को बिना न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा किए उक्त दोमंजिले भवन को ध्वस्त कर दिया।

पटना उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं याचिकाकर्ता के वकील श्रवण कुमार के अनुसार, याचिकाकर्ता ने चाणक्य प्रेस भवन के आंशिक ध्वस्तीकरण के खिलाफ पटना उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी और न्यायमूर्ति मोहित शाह की एकल पीठ से स्थगन आदेश प्राप्त किया था। अंततः, याचिका को बाह्य तथ्यों के आधार पर खारिज कर दिया गया। 2 फरवरी 2023 को एलपीए द्वारा न्यायाधीश का आदेश स्थगित कर दिया गया और 11 अगस्त को जबकि मुख्य न्यायाधीश की अदालत में निर्णय सुरक्षित था, लेकिन अगली ही सुबह भवन को ध्वस्त कर दिया गया।

इस अवैध ध्वस्तीकरण की जानकारी मिलने पर पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने स्वतः संज्ञान लेते हुए 13 अगस्त 2024 को पीएमसी के आयुक्त और चार अन्य के खिलाफ अवमानना कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू की। उन्हें यह बताने के लिए कहा गया कि न्यायालय के आदेश के बिना ध्वस्तीकरण क्यों किया गया। हालांकि, बाद में इस मामले की सुनवाई करने वाले न्यायाधीश आशुतोष कुमार और सत्यव्रत वर्मा की खंडपीठ ने अवमानना मामले में दोषी अधिकारियों को दंडित करने का कोई आदेश पारित नहीं किया और एक छोटी राशि का मुआवजा देने का आदेश दिया। यह मुआवजा पीएमसी आयुक्त और अन्य द्वारा नहीं, बल्कि पटना स्मार्ट सिटी परियोजना द्वारा दिया गया।

याचिकाकर्ता के पास भवन और परिसर का अधिग्रहण लीज होल्ड भूमि पर था, लेकिन इस तथ्य की अनदेखी की गई। इस पर विभाजन पीठ ने पीएमसी को उचित कार्यवाही करने की अनुमति दी। इसके बाद पटना स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट लिमिटेड ने सार्वजनिक भूमि अतिक्रमण अधिनियम के तहत कार्यवाही शुरू की।

इसके बाद याचिकाकर्ता इस मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले गए, जहां सुनवाई के बाद पीएमसी आयुक्त और अन्य को एलपीए (लीव पिटिशन अपील) के साथ-साथ अवमानना मामले में पारित आदेश के खिलाफ नोटिस जारी किया। बहरहाल, सुप्रीम कोर्ट के नोटिस से पटना नगर निगम के अधिकारियों में हड़कंप है।

अजय फिर बने झारखंड पुलिस के आलाकमान

पुराने रिकॉर्ड के कारण निर्वाचन आयोग ने चुनाव से पहले अनुराग को हटाया

विशेष संवाददाता

रांची : 1989 बैच के झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी अजय कुमार सिंह ने एक बार फिर झारखंड पुलिस की कमान संभाल ली है। भारतीय निर्वाचन आयोग के निर्देश पर झारखंड के कार्यवाहक डीजीपी अनुराग गुप्ता को उनका पुराना चुनावी रिकॉर्ड देखते हुए उनके पद से हटा दिया गया है। अजय कुमार सिंह इसके पहले 24 फरवरी 2023 को डीजीपी बनाए गए थे, लेकिन उन्हें 26 जुलाई 2024 को इस पद से हटाकर झारखंड पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक के तौर पर पदस्थापित किया गया था। वह इसके पहले राज्य पुलिस के एंटी करप्शन ब्यूरो के डीजीपी और सीआईडी, स्पेशल ब्रांच और रेलवे पुलिस में उच्च पदों पर रह चुके हैं। वह हजारीबाग और धनबाद जिले में एसपी भी रह चुके हैं। 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता अपने पद पर रहते हुए एसीबी और सीआइडी डीजी की भी जिम्मेदारी संभाल रहे थे। वर्ष 2022 में अनुराग गुप्ता को डीजी रैंक मिला था। डीजी रैंक मिलने के बाद सबसे पहले उन्हें डीजी ट्रेनिंग की जिम्मेदारी मिली थी।

राज्यसभा चुनाव प्रभावित करने का लगा था आरोप

प्राप्त जानकारी के अनुसार, वर्ष 2016 में राज्यसभा चुनाव के दौरान अनुराग गुप्ता पर चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगा था। इसे लेकर चुनाव आयोग के आदेश पर उनके खिलाफ 29 मार्च 2018 को सरकार ने जगन्नाथपुर थाने में केस दर्ज कराया था। 14 फरवरी 2020 को हेमंत सरकार ने अनुराग गुप्ता को सस्पेंड कर दिया था। तब वे सीआइडी के एडीजी थे। उनके खिलाफ राज्यसभा चुनाव 2016 में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने के लिए बड़कागांव की तत्कालीन विधायक निर्मला देवी को लालच देने और उनके पति पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को धमकाने का आरोप लगा था। दरअसल, 2016 में राज्यसभा चुनाव के बाद बाबूलाल मरांडी ने एक ऑडियो टेप जारी किया था। इस कथित टेप में उस समय के एडीजी अनुराग गुप्ता, तत्कालीन विधायक निर्मला देवी, उनके पति योगेंद्र साव के बीच बातचीत की बात सामने आई थी। मामला सामने आने के बाद पूरे मामले की शिकायत चुनाव आयोग से की गई थी। शुरूआती जांच के बाद चुनाव आयोग ने एफआईआर का आदेश दिया था। गृह विभाग के अवर सचिव अवधेश ठाकुर के बयान पर सरकार ने तब मामला दर्ज करवाया था। इस मामले में फरवरी महीने में अनुराग गुप्ता के सस्पेंशन के बाद राज्य सरकार ने विभागीय कार्रवाई शुरू की थी, जिसके संचालन का जिम्मा डीजीपी एमवी राव को दिया गया था।

अमृत भारत योजना वाले जयनगर स्टेशन पर शौचालय तक नहीं, यात्री परेशान

मधुबनी : रेलवे की ओर से अमृत भारत योजना के तहत कायाकल्प हेतु चयनित जयनगर रेलवे स्टेशन पर विगत लगभग डेढ़ वर्ष से शौचालय की सुविधा नहीं है। इसके कारण यहां आने-जाने वाले यात्रियों और स्टेशन के वेंडरों को भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। सार्वजनिक शौचालय नहीं होने के कारण रेल यात्रा करने वाले यात्रियों को मजबूरी मे खुले में शौच जाना पड़ता है। उल्लेखनीय है कि अमृत भारत योजना के तहत नवनिर्मित भवन बनाने के लिए यहां के पुराने भवन के सार्वजनिक शौचालय, विश्रामालय सहित अन्य यात्री सुविधाओं के भवन को तोड़ तो दिया गया, लेकिन उसके साथ कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। लिहाजा, लोग परेशानी झेल रहे हैं। विशेषकर, महिला यात्रियों को काफी परेशानी होती है। यात्रियों का कहना है कि जयनगर स्टेशन का जीर्णोद्धार होगा, यह अच्छी बात है, लेकिन यात्री सुविधाओं का ध्यान रखना सर्वोपरि होना चाहिए। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के शौचालय तोड़ दिया जाना सही नहीं है। बता दें कि रेलवे प्रशासन की अनदेखी के कारण इन दिनों जयनगर स्टेशन के आसपास कूड़े-कचरों का भी अंबार जगह-जगह देखा जा सकता है।

पुपरी के रास्ते खपाई जा रही अवैध नेपाली शराब जब्त

पुपरी : बिहार में नकली शराब का एक तरफ जहां प्रकोप लगातार जारी है, वहीं दूसरी ओर पुपरी और आसपास के इलाके में नकली और अवैध शराब का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा। बीते दिनों मध निषेध थाना पुपरी के दारोगा मणिकांत कुमार ने पुलिस बल के साथ सकरी मोड़ गोपालपुर में 6 बाइक से 2700 बोतल नेपाली सौफी शराब को बरामद की। वहीं, तस्कर बाइक व शराब को छोड़कर भागने में सफल रहे। इस बावत दरोगा मणिकांत कुमार के बयान पर मध निषेध थाना, पुपरी में मुकदमा दर्ज किया गया है।

प्रेम और समर्पण से ही खुशहाल दाम्पत्य जीवन

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

आज के समय में जब पति-पत्नी के बीच छोटी-मोटी बातों पर मतभेद हो जाता है और कई बार अहंकार की लड़ाई इतना विशाल रूप धर लेती है, कि दोनों के बीच सम्बंध विच्छेद तक हो जाता है, उस समय यह जानना आवश्यक है कि वैदिक धर्म में पति-पत्नी का दाम्पत्य जीवन कैसा हो, इसका कुछ वर्णन इस प्रकार आया है:

समन्जन्तु विश्वे देवाः समापो हृदयानि नौ
सं मातरिश्वा सं धाता समु देष्टी दधातु नौ

-ऋग्वेद

1. ऋग्वेद के दसवें मंडल में आया यह मंत्र 'समापो हृदयानि नौ' के माध्यम से घोषणा करता है कि हम दोनों, दो पति-पत्नी भाव से एक हुए हैं, हमारा हृदय एवं मन जल के समान है। जैसे दो जल को मिला देने से एक हो जाता है, उनका गुण, स्वभाव एक हो जाता है, उसी प्रकार स्त्री-पुरुष विवाह बंधन में बंधने के बाद एक हो जाते हैं।

2. वायु के समान एकत्व की स्थिति- ऊपर आये श्लोक में 'सं मातरिश्वा' पति-पत्नी के बीच की एकरूपता का बोध कराता है, जैसे दो वायु एक रूप हो जाते हैं, वैसे ही विवाह बंधन में बंधकर दो प्राण एक हो जाते हैं। जैसे शरीर से प्राण का विच्छेद होने पर शरीर नष्ट हो जाता है, उसी प्रकार पति-पत्नी के प्राणों में से एक को भी कष्ट पहुंचता है तो दूसरा उसी अनुपात में व्यथित होता है।

3. श्लोक में आया 'सं धाता' इस बात का द्योतक है कि जैसे जगत को धारण करने वाला परमात्मा सब जगत को अच्छी तरह धारण करता है, उसी प्रकार हम दोनों एक-दूसरे को भली-भांति धारण एवं पोषण करें।

4. 'समुद्रेष्टी दधातु नौ' पति-पत्नी के बीच प्रेममय सम्बन्ध को निरूपित करता है। जैसे उपदेश देने वाले और उपदेश सुनने वाले के बीच प्रीतिकर सम्बन्ध होता है, बिल्कुल उसी प्रकार पति एवं पत्नी के मन और आत्मा के बीच प्रेम की डोर बंधी होती है। दोनों कभी एक-दूसरे के वचनों की अवहेलना करने वाले नहीं होते हैं।

पत्नी के लिए 'वामिनी' या 'भामिनी' शब्द का प्रयोग किया जाता है। छान्दोग्य उपनिषद के चौथे खण्ड में भाम-नी या वाम-नी का अर्थ आत्मा बतलाया गया है, क्योंकि सृष्टि के सभी सौन्दर्यों में आत्मा अग्रणी है।

बाम का अर्थ रूप या शोभा है। आश्चर्यजनक सत्य यह है कि विवाह के बाद स्त्री पति के वामांग में स्थापित होती है। इस कारण उसे 'वामा' भी कहते हैं।

पति और पत्नी सोलमेट होते हैं। दोनों की आत्माओं के बीच तार जुड़ा होता है। इसलिए पुरुष जब अपनी गृह लक्ष्मी के साथ संयुक्त होता है, तभी वह पूर्ण हो पाता है। वास्तव में हर पुरुष के अन्दर नारायण अवस्थित हैं और हर स्त्री लक्ष्मी का रूप होती हैं। इसलिए पत्नी के लिए गृहलक्ष्मी शब्द का प्रयोग किया जाता है। जो व्यक्ति अपनी गृहलक्ष्मी का अनादर करेगा, जीवन में उसकी उन्नति हमेशा सशंकित रहेगी।

गृह लक्ष्मी- गृहिणी

गृह लक्ष्मी अर्थात गृहिणी और गृहिणी न हो तो गृह की सब व्यवस्था छिन्न-भिन्न हो जाती है। गृहस्थी को एक वृक्ष मानें तो पत्नी उस वृक्ष का मूल अर्थात जड़ होती है। जब तक मूल नहीं है, तब तक वृक्ष का अस्तित्व ही नहीं होता। मूल अर्थात जड़ ही समग्र वृक्ष का भार वहन करता है। इस आधार पर हम क सकते हैं कि नारी गृह का मूल आधार होती है। उसके कन्धों पर ही पूरा परिवार खड़ा होता है। नारी के बिना यह स्वप्न साकार नहीं हो सकता। वृक्ष की जड़ तो केवल वृक्ष को खड़ा रखने तथा उसे भोजन पहुंचाने का कार्य करती है, किन्तु नारी न केवल जड़ का अर्थात परिवार का आधार अथवा परिवार के खड़े होने की परिकल्पना को साकार करने वाली होती है, अपितु संतानोत्पत्ति का कार्य अर्थात बीज व भूमि का कार्य करती है।

दाम्पत्य जीवन : संयोग और सहयोग

पुरुष और नारी के प्रेम पूर्वक संयोग से ही श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन का निर्माण होता है। इसी कार्य से सृष्टि में उत्पत्ति होती है और जब उत्पत्ति होती है, तभी वृद्धि संभव है। पति-पत्नी में मतभेद होना है, सामंजस्य की कमी होना, प्रेम की कमी होना दाम्पत्य जीवन की अपूर्णता है और इसका सीधा अर्थ है, जैसे बिना जल की नदी, बिना जड़ के वृक्ष, बिना शीतलता का चन्द्रमा।

पति-पत्नी के बीच सुखद वैवाहिक जीवन का आधार प्रेम ही होता है। इसके लिए सामंजस्य और सहयोग आवश्यक है और उसमें निरन्तर प्रेम तत्व प्रवाहित होना चाहिए। इस प्रेम तत्व के प्रवाह के लिए अनन्त चतुर्दशी को सम्पन्न करें लक्ष्मी-नारायण साधना।

श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन

श्रुति के वचनानुसार- दो शरीर, दो मन और बुद्धि, दो हृदय, दो प्राण व दो आत्माओं का समन्वय होने पर, अगाध प्रेम के व्रत का पालन करने वाले दंपती लक्ष्मी-विष्णु, सीता-राम, उमा-महेश्वर के प्रेमादर्श को धारण करते हैं, यही विवाह का श्रेष्ठ स्वरूप है।

शास्त्रों में श्रेष्ठ दाम्पत्य जीवन को वंशवृद्धि, मैत्रीलाभ, साहचर्य सुख, मानसिक रूप से परिपक्वता, दीघार्यु शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की प्राप्ति हेतु अनिवार्य माना गया है। इसके अलावा सुखद दाम्पत्य जीवन से समस्याओं से जूढने की शक्ति मिलती है और प्रगाढ़ प्रेम सम्बन्ध से परिवार में सुख-शान्ति रहती है।

और जब परिस्थितियां विपरीत होती हैं तो गृहस्थ जीवन सरस न होकर कांटों से भरा लगता है और ऐसा लगने लगता है कि कहीं भाग जायें, सम्बन्ध विच्छेद कर लें, संन्यास ले लें अथवा जीवन का कोई अर्थ नहीं है।

ऐसी स्थिति में लक्ष्मी-नारायण साधना सम्पन्न करने से दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता प्राप्त होती है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

दिल है मजबूत बनाना, तो रोज खाएं मखाना

मिथिला की धरती के प्रमुखतम उत्पादों में से एक मखाना (फॉक्स नट) एक पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक भोजन है, जिसे नियमित रूप से खाने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। आइए जानते हैं, इसके फायदे-

- पोषक तत्वों से भरपूर : मखाना में प्रोटीन, फाइबर, काबोर्हाइड्रेट, और विभिन्न विटामिन और मिनरल्स होते हैं, जैसे कि कैल्शियम, पोटेशियम, और मैग्नीशियम। ये तत्व शरीर को ऊर्जा प्रदान करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं। चूंकि यह मखाना कैल्शियम से भरपूर होता है, इसलिए जोड़ों के दर्द, विशेषकर अर्थराइटिस के मरीजों के लिए इसका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है।

- वजन नियंत्रण : मखाना में कम कैलोरी होती है, जिससे यह वजन घटाने में सहायक होता है। फाइबर की उच्च मात्रा इसे लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करती है, जिससे बार-बार खाने की इच्छा कम होती है।

- हृदय-स्वास्थ्य : मखाना में उपस्थित एंटीऑक्सीडेंट और कम सोडियम सामग्री दिल के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होती है। यह रक्तचाप को नियंत्रित करने और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

- डायबिटीज-प्रबंधन : मखाना का ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, जो इसे मधुमेह रोगियों के लिए एक अच्छा नाश्ता बनाता है। यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है।

- त्वचा और बालों के लिए लाभदायक : मखाना में उपस्थित एंटीऑक्सीडेंट त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा कर सकते हैं। इसके अलावा, यह बालों को मजबूत और चमकदार बनाने में भी मदद कर सकता है।

- पाचन स्वास्थ्य : मखाना में फाइबर की उच्च मात्रा पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करती है। यह कब्ज को दूर करने और आंतों की सेहत को बेहतर बनाने में सहायक होता है।

- मानसिक स्वास्थ्य : मखाना में मौजूद तत्त्व मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। यह तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकता है। मखाने के सेवन से तनाव कम होता है और नींद अच्छी आती है। रात में सोते समय दूध के साथ मखाने का सेवन करने से नींद न आने की समस्या दूर हो जाती है।

- एंटी-एजिंग गुण : मखाना में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर में मुक्त कणों से लड़ने में मदद करते हैं, जिससे यह एंटी-एजिंग गुणों के लिए जाना जाता है।

- प्रस्तुति : विकास

व्यंग्य अब झूठ बोलना पाप नहीं रहा!

– आचार्य धीरेन्द्र झा 'माणिक्य'

एक समय था, जब झूठ बोलना पाप समझा जाता था। लोग पाप और पुण्य की दृष्टि से अपने कर्मों का चयन करते थे। धीरे-धीरे क्षण-क्षण परिवर्तित होते समय ने लोगों की वैचारिक चेतना पर प्रहार करना प्रारंभ किया और उसका परिणाम अब लोगों की सोच में दिखाई देने लगा है।

तपती दोपहर में जब सूर्य अपने पूरे शबाब पर था, वृक्ष के पत्ते ठहर गये थे, मानो धूप ने उन्हें भी किंकर्तव्यविमूढ़ कर दिया हो। चारों तरफ सुनसान वातावरण, अजब सी खामोशी, कोई आवा-जाही नहीं, इसी बीच दो दिशाओं से दो राहगीर, जो देखने से ही ग्रामीण परिवेश के अधेड़ लग रहे थे, एक वृक्ष के नीचे जहां घनी छाया थी, आकर बैठ गए। थोड़ी देर दोनों अपने शरीर के पसीने को सुखाने के लिए गमछा (अंगोछा) से हवा करते रहे, फिर आपस में समय व्यतीत करने के लिए 'बड़ी गर्मी है' से बातचीत प्रारंभ की। थोड़ी देर बात करने के बाद जब दोनों सहज हो गये तो एक ने कहना प्रारंभ किया कि - बड़ा विचित्र समय आ गया है, कहां हमारे समय के लोग और कहां अभी के लोग, जमीन-आसमान का अंतर आ गया है, जो नहीं होना चाहिए, वही सब हो रहा है। मेरे पड़ोस में एक छोटा सा गांव है, जो बड़े ही सभ्य और संस्कारी लोगों का गांव था, इसलिए पूर्वजों ने उसका नाम 'ऋषि पुर' रखा था।

समय बदला, लोग बदले, कुछ कुबुद्धियों का वर्चस्व बढ़ा और समाज की दिशा ही बदल गई। एक समय के आपसी प्रतिद्वंद्वी जो कुछ पढ़े-लिखे भी थे, लेकिन उनके कृत्य से लोग दबी जुबान में चारों का नामकरण लंठ, बलंठ, उदंड एवं घमण्ड कर चुके थे, जो उनके चमचों के माध्यम से उनके कानों तक भी पहुंच चुकी थी। घमण्ड ने लंठ, बलंठ एवं उदंड को एक समारोह में मिलाया और चारों ने यह समझौता किया कि ऐसे आपस में लड़ने के बजाय क्यों न हम इकट्ठे होकर लोगों को लडाएं और उनके बीच जाकर अपने आप को बुद्धिमान, ज्ञानवान साबित करें (धनार्जन की कला में तो वे दक्ष थे ही) और अपना उल्लू सीधा करें।

अपनी योजना के अनुरूप लंठ, बलंठ एवं उदंड ने कार्य करना आरंभ किया। शुरुआत में वे लोगों के बीच चौक-चौराहों पर कुछ भी बोलकर उकसा देते और मजाक कहकर चल देते। चूंकि उनकी कुख्याति पहले से जगजाहिर थी, इसलिए लोग कीचड़ देखकर किनारे से चलने की रणनीति अपनाकर बच निकलते। धीरे-धीरे उनलोगों ने सामाजिक संस्थाओं पर कब्जा करना आरम्भ किया। खुद या अपने अनुयायियों को आगे कर अपना वर्चस्व स्थापित किया और घमण्ड की छत्रछाया में फलने-फूलने लगे।

एक बार एक सभ्य एवं शांत व्यक्ति, जो अपनी पारिवारिक जरूरतों को पूरा करने में व्यस्त एवं मस्त रहता था तथा जी हुजूरी करने की कला से अनभिज्ञ था, के विरुद्ध तीनों ने योजना बनाकर अफवाह फैला दी, वो भी उस बात के लिए, जो उसने कही ही नहीं थी। पंचायत हुई, लेकिन तीनों के विरुद्ध गवाही देने का साहस कोई नहीं जुटा पाया। तब घमण्ड ने यह निर्णय दिया कि 'आज के समय में झूठ बोलना पाप नहीं रहा', इसलिए महोदय, इन लोगों की बात के पीछे मत पड़िए। ये जो करते हैं, करने दिजिए, नहीं तो बेवजह आपको उलझा देंगे। बच के रहिए, संभल के रहिए, जो होता है, होने दीजिए।

बेचारे क्या करते, बत्तीस दांत के बीच एक जीभ की तरह मन मारकर रह गये। फिर क्या था, वो हवा चारों तरफ बहने लगी और लोग धड़ल्ले से झूठ बोलने लगे, या यूं कहें तो झूठ बोलने को पाप की श्रेणी से मुक्त कर दिया गया। *(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार व समीक्षक हैं।)*

जेपी जनता दल में शामिल हुए पंकज मिश्र, बने संगठन प्रभारी

संवाददाता

रांची : वरिष्ठ पत्रकार पंकज मिश्र जय प्रकाश जनता दल में शामिल हो गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज सहाय के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव मिश्र ने उन्हें विधिवत योगदान कराया। पंकज मिश्र को झारखंड का संगठन प्रभारी बनाया गया है। वह झारखंड में जय प्रकाश जनता दल के संगठन को विस्तार एवं सुदृढ करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव मिश्र ने कहा कि पंकज मिश्र के शामिल होने से संगठन को बहुत फायदा होगा, इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज सहाय ने उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी है। नवनियुक्त संगठन प्रभारी पंकज मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज सहाय और प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव मिश्र ने उन पर जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसे पूरी निष्ठा से पूरी करेंगे। उन्होंने कहा कि जय प्रकाश नारायण की विचारधारा को आगे ले जाने वालों को ही संगठन प्रत्याशी बनाएगा। पदलोलुपता वालों को इस दल में कोई स्थान नहीं है। जेपी जनता दल में पंकज मिश्र के शामिल होने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज सहाय, केंद्रीय संगडन मंत्री शशि सिंह, झारखंड प्रदेश अध्यक्ष कुमार गौरव मिश्र सहित कोई नेताओं ने उनका स्वागत किया।

सभी दंत समस्याओं का एक समाधान
डॉ. नरेन्द्र मेमोरियल डेंटल सेंटर
138 को-आपरेटिव कॉलोनी (बोकारो)
दांत एवं मुंह संबंधी सभी बीमारियों के इलाज की पूर्ण सुविधा।
समय : सुबह 9.30 से दोपहर 2.30 बजे तक
संध्या 5.00 बजे से रात 9.00 बजे तक
(शनिवार अवकाश)
डा. निकेत चौधरी (संध्या में)

अपकमिंग मूवीज - डर के साथ हंसाने आ रही भूल-भुलैया 3

आनेवाले दिनों में तीन फिल्में मुख्य रूप से बड़े परदे पर धमाल मचाने वाली हैं। इस कड़ी में 01 नवंबर 2024 को बॉलीवुड हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 रिलीज हो रही है। अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित यह मूवी भूल भुलैया फ्रैंचाइजी की तीसरी फिल्म है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में "रूह बाबा" का किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। फिल्म की कहानी रहस्य, भूतिया माहौल और हास्य का मिश्रण होगी, जो दर्शकों को डर और मनोरंजन का एक बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। यह फिल्म हल्के-फुल्के हास्य और रहस्य को मिलाकर बनाई गई है। फिल्म में भूतिया माहौल के साथ, पुराने रहस्यों को एक नई दिलचस्प कहानी के साथ पेश किया जाएगा।

सिंघम अगेन- फिर दिखेगा अजय देवगन का दमदार किरदार

सिंघम अगेन रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित एक एक्शन से भरपूर फिल्म है, जो उनकी सुपरहिट सिंघम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त है। इसमें अजय देवगन एक बार फिर दमदार पुलिस अधिकारी बाजीराव सिंघम के किरदार में नजर आएंगे। यह फिल्म 1 नवंबर 2024 को रिलीज होगी और उम्मीद है कि इसमें दमदार एक्शन के साथ सामाजिक मुद्दों पर भी प्रकाश डाला जाएगा। फिल्म में रणवीर सिंह और अक्षय कुमार की भी विशेष भूमिकाएं हो सकती हैं, जो 'सूर्यवंशी' और 'सिम्बा' से जुड़े हैं।

पेज- 1 का शेष

झारखंड में अब...

और उम्मीदवारों की घोषणा जल्द किए जाने की बात कही। वैसे राजद ने सीटों की इस साझेदारी पर ऐतराज जताया है। पार्टी नेता मनोज झा ने कहा कि गठबंधन में राजद को 5 सीट देने की बात चल रही है, जो हमारी पार्टी के साथ अन्याय होगा। 2019 के चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल को 7 सीट मिली थी।

सभी 81 सीटों पर भाजपा की जीत तय : अमर बाउरी

चंदनकियारी : चंदनकियारी समेत राज्य की सभी 81 विधानसभा सीटों पर राजग गठबंधन की जीत सुनिश्चित है, जहां मतदाताओं ने राज्य के समग्र विकास के लिए कमल खिलाना तय कर लिया है। उक्त बातें नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने के बाद चंदनकियारी में भाजपाइयों द्वारा उनके स्वागत समारोह के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राज्य में विगत पांच वर्षों से लगे हेमंत सरकार रूपी ग्रहण को हटाकर विकास का मार्ग प्रशस्त करना भाजपा की प्राथमिकता है। राज्य की हेमंत सरकार से त्रस्त झारखंड की जनता अब माटी, बेटी और रोटी से समझौता नही करेगी। राज्य सरकार की शह पर संथाल के रास्ते राज्य की डेमोग्राफी बदलकर तुष्टिकरण करनेवाले दलों का अब सूपड़ा साफ होना तय है।

भारत-मलावी संबंधों में जुड़ा नया आयाम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के समक्ष हुए कई अहम समझौते

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : दक्षिण-पूर्व अफ्रीका स्थित मलावी गणराज्य और भारत के आपसी संबंधों में नया आयाम जुड़ गया है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की तीनदिवसीय मलावी यात्रा के साथ इसमें कई अहम कड़ियां जुड़ गईं। मलावी की अपनी यात्रा के क्रम में राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने स्टेट हाउस, लिलोंग्वे का दौरा किया, जहां मलावी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. लाजारस मैकार्थी चकवेरा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत-मलावी संबंधों को और गहरा करने के लिए कई मुद्दों पर सार्थक चर्चा की। राष्ट्रपति के समक्ष कला और संस्कृति, युवा कार्यक्रम, खेल और फार्मास्युटिकल सहयोग पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। वह भारत की ओर से मलावी को प्रतीकात्मक रुप से मानवीय सहायता के रूप में 1000 मीट्रिक टन चावल सौंपे जाने और मलावी को भाभाट्रॉन कैंसर उपचार मशीन सौंपे जाने की भी साक्षी बनीं। उन्होंने मलावी में एक स्थायी कृत्रिम अंग फिटमेंट सेंटर (जयपुर फुट) की स्थापना में भारत सरकार के समर्थन की भी घोषणा की।

इससे पहले, राष्ट्रपति ने लिलोंग्वे में राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और प्रथम व द्वितीय विश्व युद्ध तथा अन्य सैन्य अभियानों के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों और नागरिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने मलावी के पहले राष्ट्रपति डॉ. हेस्टिंग्स कामुजु बांडा के समाधि स्थल - कामुजु मकबरे पर भी पुष्पांजलि अर्पित की।

अफ्रीकी संघ को जी-20 मेंबर बनाने में भारत की अहम भूमिका : राष्ट्रपति

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने मलावी में भारत के उच्चायुक्त द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह में मलावी में भारतीय समुदाय के सदस्यों को संबोधित किया। इस मौके पर राष्ट्रपति ने कहा कि भारत आपसी विश्वास, समानता और पारस्परिक लाभ के सिद्धांतों के आधार पर अफ्रीका के साथ अपनी साझेदारी को महत्व देता है। हमारे सहयोग के मुख्य स्तंभ विकास में साझेदारी, क्षमता निर्माण, व्यापार और आर्थिक सहयोग, रक्षा और सुरक्षा तथा लोगों के बीच संपर्क हैं। भारत-अफ्रीका संबंधों के लिए प्रत्येक स्तंभ अहमियत रखता है। उन्होंने कहा- भारत ने अफ्रीकी संघ को जी20 संगठन का स्थायी सदस्य बनाने में अहम भूमिका निभाई है। ग्लोबल साउथ के एक अग्रणी सदस्य के रूप में, भारत ग्लोबल साउथ के देशों के साथ अपने अनुभव और क्षमताओं को साझा करना जारी रखेगा।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे प्रवासी भारतीय, भारत की परिवर्तनकारी यात्रा का एक अभिन्न अंग हैं। उन्होंने भारतीय समुदाय के सदस्यों से इस यात्रा में शामिल होने और भारत के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने का अपील की। दौरे के अंतिम दिन राष्ट्रपति ने लिलोंग्वे में श्री राधा कृष्ण मंदिर में आरती और पूजा की और साथ ही अल्जीरिया, मॉरिटानिया और मलावी की तीन देशों की राजकीय यात्रा पूरी की। मलावी झील का दौरा कर वह नई दिल्ली लौट आईं।

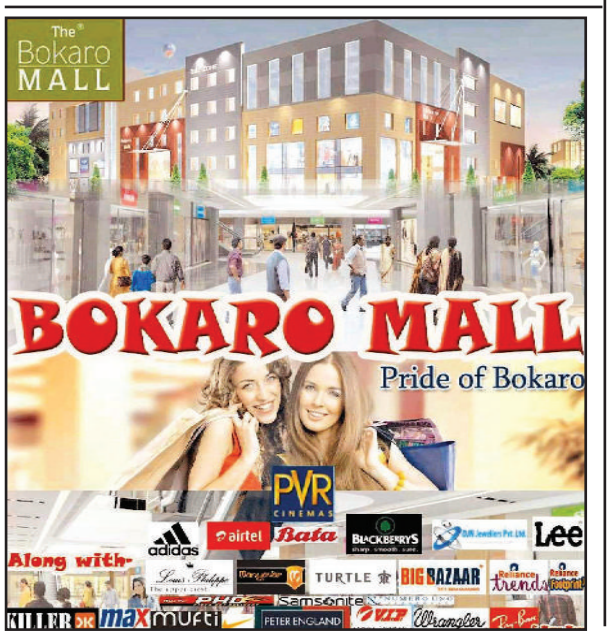

GGSESTC
GURU GOBIND SINGH EDUCATIONAL SOCIETY'S TECHNICAL CAMPUS
COLLEGE OF ENGINEERING AND MANAGEMENT
Approved by AICTE, Ministry of Education, Govt. of India, New Delhi, Affiliated to Jharkhand University of Technology, Ranchi
NH-32, CHAS, PURULIA ROAD, BOKARO, JHARKHAND - 827013

B.Tech
CSE, CSE (DS), CSE (CS)
Fashion Technology, ME, CE, EEE, ECE

M.B.A
Finance, Human Resources (HR)
Marketing

B.B.A & B.C.A
For BBA, Passed 10+2 with Minimum 45% Marks for General & 40% for Reserved in any discipline Science/Arts/Commerce

Diploma In Engineering
EEE, ME, Civil (For Diploma 10th Complete from any batch)

Extended admission date 23rd Oct. 2024

- No Tuition Fees for E-kalyan eligible Students.
- Flexible time table for working Professionals in B.Tech & MBA as a regular course.
- Excellent Placement Assistance.
- NIRF Ranking-MOUs with Industries

- Only Pvt. Engineering College conducting National Level Atal Faculty Development Program with Grant of AICTE, New Delhi (Govt. of India)
- Highest number of Patents among Pvt. Engineering & Management Colleges in Eastern India
- Eminent Faculty members invited for Expert lectures in ICAR National Institute/ESL Vedanta/Foreign Institute
- Maximum Number of PhD/PhD persuing Faculty GATE/NET/SET faculty.
- AICTE/JUT granted permission for working Professionals in B.Tech & MBA.
- Received Awards and appreciations from various reputed Government and Non Government organisations including AICTE, New Delhi, Jharkhand University of Technology, Ranchi, District, Administration, Bokaro.
- MoUs with JIADA Bokaro, ICAR Institutions, Ranchi, ESL-Vedanta etc.
- Excellent academic results & highest students satisfaction and happiness index

Registration Open for Session 2024-25

NOTE : PLEASE REFER OUR WEBSITE FOR MORE DETAILS
06542-265293 | 7992284995 | 7992415822 | 9822732264
www.ggsestc.ac.in info@ggsestc.ac.in
Follow us:

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)